पाठ - 6 रक्त और हमारा शरीर [पठित गद्यांश]

निम्न गद्यांशों को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1. डॉक्टर दीदी सूक्ष्मदर्शी द्वारा एक स्लाइड की जाँच कर रही थीं। दीदी के इशारे से वह पास रखी एक कुरसी पर बैठ गया। स्लाइड की जाँच पूरी होने पर डॉक्टर दीदी ने साबुन से हाथ धोए और तौलिए से पोंछती हुई बोलीं, "अनिल, दिव्या को एनीमिया है। चिंता की बात नहीं, कुछ दिन दवा लेगी तो ठीक हो जाएगी।"

"शरीर में हर समय नए कण बनते रहते हैं, जो नष्ट कणों का स्थान ले लेते हैं। हड्डियों के बीच के भाग मज्जा में ऐसे बहुत से कारखाने होते हैं जो रक्त कणों के निर्माण-कार्य में लगे रहते हैं। इनके लिए इन कारखानों को प्रोटीन, लौहतत्त्व और विटामिन रूपी कच्चे माल की ज़रूरत होती है। यह पौष्टिक आहार लेते हो? हरी सब्ज़ी, फल, दूध, अंडा और गोश्त में ये तत्त्व उपयुक्त मात्रा में होते हैं। यदि कोई व्यक्ति उचित आहार ग्रहण नहीं करता तो इन कारखानों को आवश्यकतानुसार कच्चा माल नहीं मिल पाता। नतीजा यह होता है कि रक्त-कण बन नहीं पाते, रक्त में इनकी कमी हो जाती है। लाल कणों की इसी कमी को एनीमिया कहते हैं।"

प्रश्न क) डॉक्टर दीदी सूक्ष्मदर्शी पर क्या देख रही थीं ?
प्रश्न ख) स्लाइड की जाँच करके दीदी ने क्या किया ?
प्रश्न ग) दीदी को दिव्या की किस बीमारी के बारे में कैसे पता चला ?
प्रश्न घ) रक्त कणों का निर्माण कहाँ और कैसे होता है ?
प्रश्न ङ) लाल कणों की कमी से कौन-सी बीमरी होती है ? इससे कैसे बचा जा सकता है ?
प्रश्न च) यदि कोई उचित आहार न ले तो क्या हो सकता है ?
प्रश्न छ) पौष्टिक आहार से क्या तात्पर्य है ?
प्रश्न ज) मज्जा से आप क्या समझते हैं ?
प्रश्न झ) अर्थ लिखिए - सूक्ष्मदर्शी , प्रोटीन ।
प्रश्न ञ) 'जाँच' , 'नतीजा' शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

Do the work in your Hindi Lit copy.